

असहायों के अरविंद

यकीन नहीं होता। बरेली के मुहल्ले आलमगिरि की तंग गलियों में जन्मा, पला-बढ़ा वो बच्चा इतने कमाल करेगा...। ज्ञान, विज्ञान में तो माहिर बना ही, बारी सामाजिक जिंदगी की आई तो संत बनकर समर्पित कर दिया खुद को। अच्छी नौकरी, सुख- सुविधाओं को हमेशा ही किनारे रखा और पूरा जीवन लगा दिया असहाय बच्चों की जिंदगी संवांस्ने में...। इस हद तक कि एक बार बरेली से निकले मुड़कर नहीं देखा अपनी धुन के आगे। यह उनके काम ही तो हैं, देखते ही देखते विज्ञान, साहित्य, समाजसेवा में देश का बड़ा नाम बन गए। इससे ज्यादा कमाल और क्या होगा मिसाल के रूप में...। हम शिद्द से जुटे थे रुहेलखंड के कामयाब-26 के नामों की तलाश में। किसी के सुझाव पर ही इनका भी नाम आया। तब इतना ही जान सके थे कि एनसीआरटी के किताबें लिखते हैं और आदिवासी इलाकों में पढ़ाने का जुनून है। मन में कुछ शंका थी। यह सोचकर कि क्या हमारे मानकों पर यह खरे उतर पाएंगे मगर...। हम गलत थे। जितना सुना था वह बेहद कम था। बारी इनके व्यक्तित्व को समेटने की आई तो कम पड़े गए शब्द। उपलब्धियों की लंबी कतार पूरी समेट नहीं पाए। खैर, जो जान सके वो आपके सामने है, बरेली से निकले विज्ञान के एक संत की कहानी...।

- आशीष त्रिपाठी

- आशीष त्रिपाठी



कहानी से पहले विषय

अमरतर पर विज्ञान ओसत बच्चे के लिए टेडी खीर हो सकता है, लेकिन कामयाब-26 के हमारे इस पात्र ने गंगा का प्रयोग करके शिक्षा को नया रास्ता दिखाया। विज्ञान की यह पृथु गृथियां जो के फेलिबेड हिलोनों के मध्यम से सुसज्जित बाइक उत्कले के त्वावर के आखिरी चरण तक पहुंचाया। ज़ाहक उर नब्यों के न केवल रस्कूलों का मुकु कभी नहीं देख पाते। यानी परीक्षा और आदित्यासी बच्चे। इस काम के लिए उन्होंने खुद के जीवन को पूरी तरह होम कर दिया। आइआइटी से इंजीनियरिंग पास करने के बाद भी पैकेज की तरफ नहीं भागे। जल्दी में नरने से 'संत' का नाम है-अरवि गुप्ता। इस आगे की कहानी।

बड़े काम

- ◆ 14 साल तक दिल्ली में रहकर 300 स्कूलों में बेकार चीजों से खिलौने बनाना सिखाया।
- ◆ वेबसाइट पर 18 भाषाओं में छह हजार वीडियो हैं जिन्हें यू-ट्यूब पर चार करोड़ लोग देख चुके हैं।
- ◆ 2004 में ट्वायस फ्रॉम टैस वेबसाइट बनाई। इसमें 1300 प्रकार के खिलौने बनाने के वीडियो, फोटो दी गई हैं। कई भारतीय भाषाओं में 4500 किताबें वेबसाइट से फ्री डाउनलोड करने की सुविधा है।
- ◆ 20 देशों के 3000 से ज्यादा स्कूलों में वर्कशॉप और लेक्चर दे चुके हैं।
- ◆ अरविंद गुप्ता करीब डेढ़ सौ किताबों का हिंदी में अनुवाद कर चुके हैं।

बंद कमरे में रचा खिलौनों का संसार

1989 में अरविंद दिल्ली चले गए। तब तक स्कूलों में वर्कशॉप-लेक्चर लेने, किताबें लिखने-अनुवाद करने का काम जारी रखा। कई साल नेशनल बुक ट्रस्ट के एडवाइजरी बोर्ड में रहे। 2003 में वापस पुणे में शिष्ट हुए तो आयुक्त (द इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर प्रदर्शन-एंड एडप्टिविजस, पुणे) की प्.म. देशपांडे और नारोज कर्कर साहब मुक्तोगण विज्ञान शोधक्रीड़ा शुरु कर रहे थे। इसके को-आर्डिनेटर की ज़िम्मेदारि दी गई। रोज रोज खिलोने बनाते थे, फिर उनकी वीथीयें बनाकर देखाते थे।

रुटें नहीं सीखने के लिए डटें

अरविंद गुप्ता का कहना है कि उन्हें रंटू प्रणाली से परहेज है। बच्चों को रटवाकर या उनकी कमियों को निकालना ठीक नहीं। बच्चों की प्रतिभा को कुंद नहीं करना है, बल्कि उसे तेज करना है। स्कूलों में बच्चों की प्रतिभा को उभारना चाहिए। शिक्षा, अभिभावक, समाज, स्कूल सभी की यह सामूहिक जिम्मेदारी है।



अपनी राय और प्रतिक्रिया दें
bareilly@brl.jagran.com

खिलौनों के जरिये
विज्ञान समझाते हैं
अरविंद गुप्ता।

विशद व्यक्तित्व

- ◆ **नाम** : अरविंद गुप्ता
- ◆ **जन्म** : 04 दिसंबर 1953 बरेली के आलमगिरी गंज मुहल्ले में
- ◆ **हाल पता** : 401, चित्रकूट 'बी' 1065, गोखले क्रास रोड, मॉडल कॉलोनी, पुणे, महाराष्ट्र
- ◆ **शिक्षा** : इंटरमीडिएट – राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज बरेली, बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स), आईआईटी कानपुर

परिवार

पत्नी सुनीता, फर्ग्युसन कॉलेज पुणे में समाजशास्त्र की प्रोफेसर है। बेटी दुलारी डॉक्टर है। दामाद ध्रुव शेषादि आइआरएस हैं।
बरेली में भाई डा. अजीत गुप्ता बाल रोग विशेषज्ञ हैं जबकि दूसरे भाई विजय गुप्ता महालक्ष्मी केमिकल्स चलाते हैं। इस साल फरवरी में अरविंद बरेली आए थे तो वीरपूजा-सरस्वती शिशु मंदिर में सैकड़ों बच्चों से बातचीत की। उन्हें खेल-खेल में विज्ञान के चमत्कार दिखाए।

पहली किताब को प्रसिद्धी बेहिसाब

1980 में जॉब छोड़ने के बाद प्रीलासिंग शुरू कर दी अरविंद ने। स्कूलों में कार्यशाला का आयोजन करने लगे। 1984 में 'मेस्ट्रिक मॉडल एंड अदर साइड एक्सपेरिमेंट' बुक लिखी। उस किताब ने मिनीस्ट्री ऑफ़ छापाई एंड टेक्नोलॉजी से उन्हें प्रेरित किया। इसका निगम है, पहली बार में किताब की 2000 प्रतियां ही छापी जाती हैं, लेकिन उसकी किताब की पहले संस्करण में ही 25 हजार प्रतियां छापी गईं। अब यह किताब 12 भाषाओं में है। इसके बाद एक-एक कर 25 किताबें लिखी हैं। इन सभी किताबों में साइंटिफिक मॉडल और खिलाओं को बनाने की विधियां और फोटो दी हैं।

जिंदगी का सफर

बीतेक करने के बाद टेल्को की नौकरी के सिलसिले में पुणे पहुँच गए अरविंद। वे शिक्षाविद् अजित सद्गुणपुरी से बेहद प्रभावित रहे। नौकरी के दौरान ही ग्रामीण इलाकों में शिक्षा का प्रसार कर रही किशोरा भारती संस्था की पत्र लिखकर 15 दिन की छुट्टी उसके साथ बिताने की इच्छा जाहिर की। उसके बाद पुणे से मध्य प्रदेश पहुँचकर 15 दिन के साथ बिना पौरो जीवन का टर्निंग प्वाइंट साबित हुए। अरविंद से प्रभावित होकर संस्था ने उनसे एक साल की छुट्टी लेकर गाँव में काम करने को कहा तो सर्वोदय स्वीकार कर लिया। उन्हें मध्य प्रदेश के वनखेड़ी कस्बे में काम करने के लिए भेजा गया।

अविद थके नहीं हैं। दुनिया भर के श्रेष्ठ बाल साहित्य और शिक्षा की किताबों का हिंदी अनुवाद करके और उनकी पीडीएफ बनाकर अपनी वेबसाइट पर डालने का काम कर रहे हैं।

न रुके न थके

अरविंद की जिंदगी का मकसद है कि दुनिया के सबसे अच्छे बाल साहित्य और शिक्षा की ज्यादा से ज्यादा किताबों का अनुवाद।

गरीबी में गढ़ा कैरियर

अरविंद के माता-पिता ने कभी स्कूल का मुंह नहीं देखा। पिता अवध बिहारी लाल गुप्ता साबुन की फैक्ट्री चलाते थे, जो अक्सर धाते में रहती थी। मा अम्बुष्ये थी, लेकिन दोनों माता बहुत देहे-लिखे थे। एक न रसिकजलरते में डूबीयांश की थी तो दूसरे आका मेडिकल कॉलेज में प्रिंसिपल थे। परिवार में तीन भाई और एक बहन को भी ने परिवार-रिस्तेदारों के विशेष के बावजूद गहने बेच-बचकर कान्यदत्त में पढ़ाया। बच्चों ने भी उन्हें निराश नहीं किया। सभी ने स्कूलरशिष की दम पर उच्च शिक्षा पूरी की। का भाई भाईयांशिरिष और दूसरे डूनीरिष ने बहन ने आइआइटी कन्नूरु पर बोत किय। अरविंद गुप्ता को आइआइटी इट्टेंगे में डॉन ऑडिया इट्टेंगे रक अक्की होने के कारण स्कूलरशिष मिली तो पांच साल तक आइआइटी में ट्युशन फीस पूरी थी। उस दोनार हन हमीने स्कूलरशिष के सो रुपये मिलते थे।



सत्या अस्पताल

जहाँ पर 'ज्वैल ऑफ इण्डिया' एवं 'राष्ट्रीय रतन गोल्ड मेडल' द्वारा सम्मानित

डा. आर.के. सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो)
फेलोशिप च्वाइटे ग्लेसमैट विभाग, दुर्घटना एवं इमरजेन्सी च्युरो विभाग,
(चौथे अस्पताल मुंबई)
हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ

- + घुटने एवं कूल्हे के जोड़ बदलना।
- + रीढ़ की हड्डी का इलाज एवं ऑपरेशन।
- + छोटे चीर से दूरबीन विधि द्वारा हड्डी जोड़ना।
- + गठिया एवं टेडी जुड़ी हड्डियों को ठीक करना।

अन्य उपलब्ध सुविधाएँ :- जनरल सर्जरी
फेलोशिप च्वाइटे ग्लेसमैट विभाग, दुर्घटना एवं इमरजेन्सी च्युरो विभाग,
(चौथे अस्पताल मुंबई)
प्लास्टिक सर्जरी विभाग, मेडिसिन एवं बाल
रोग विभाग, फिजियोथेरेपी



डा. अनुजा सिंह
एम.बी.बी.एस.
डी.जी.ओ. (के.जी.एम.सी. लखनऊ)
गोल्ड मेडलिस्ट
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

- + नार्मल डिलीवरी को प्राथमिकता
- + बांझपन का इलाज।
- + बच्चेदानी के समस्त ऑपरेशन।
- + दूरबीन द्वारा पेट, गर्भाशय की जांच व इलाज।

पता: मिनी बाईपास रोड, इज्जतनगर, बरेली मो. 9837045607, 9837771616

दैनिक जागरण परिवार को स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

Shri K.K. Gupta
(Chairman)

श्री जीत राम स्मारक ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट

Shri Saurab Gupta
(Director)

पॉलिटेक्निक

3 वर्षीय डिप्लोमा

BTE Counseling Code : 2069, 2095

प्राथमिक शिक्षा परिषद लखनऊ, उ.प्र. से संबद्ध, एवं AICTE से मान्यता प्राप्त

- Mechanical Production • Electronics • Electrical • Civil
- Mechanical Automobiles

फीस 10,000/- प्रति सैमेस्टर

B.Tech

UPTU
Code
475

ME, Civil, EC, EN, CS, IT

Fee 10000/- Per Sem

MBA

UPTU
Code - 475

Fee 10000/- Per Sem

PGDM

Approved
by AICTE

Fee 10000/- Per Sem

Salient Features

- Running Successfully since 2009.
- Wi-fi Campus
- 100% Placement Assistance.
- Well Equipped labs.
- 110 bigha of lush green campus.
- Highly qualified and experienced Faculty.
- Best Polytechnic Result in the Region.

Campus: Rithora, Pilibhit Road, Bareilly (UP)

H.O.: B-19, Ekta Nagar, Stadium Road, Bareilly.

Helpline No.: 07409000071, 07409000072

Toll Free No.: 1800-200-3770

E-mail: info@sjrsiet.org, **Website:** www.sjrsiet.org



26^{वां} वर्ष
बरेली जनकल्याण

दैनिक जागरण बरेली के स्वर्णिम 26 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें

दैनिक जागरण, बरेली के 26वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनायें।

Bass Healthcare

(HEALTH AT YOUR DOORSTEP)

Specialized in - Cold Chain Products
(ANTI RABIES, ANTI-SNAKE, IMMUNOGLOBULINS,
ADS, GONADOTROPHINS, ALBUMIN)

F-12/B, Rampur Garden, Bareilly
Tel: 0581-6544595, 9897184590

टण्डन अस्पताल

निकट मिनी बाईपास, पुरानी चुंगी, रामपुर रोड, बरेली

फोन : 0581-3206321, 9837032288

डा. अतुल टण्डन
MBBS, MS (F.I.A.G.E.S.)

डा. दीपा टण्डन
MBBS (Gold Medalist) (M.S.) (O&B)




सुविधायें :

- गर्भवती महिलाओं की जांच
- मासिक डिलीवरी न होने पर ऑपरेशन की सुविधा
- बच्चेदानी की रसौली का ऑपरेशन
- पिल की खली की पथरी, हार्निया, अपेन्डिक्स एवं अंतों के ऑपरेशन
- लेप्रोस्कोपी (दूरबीन) द्वारा टॉक एवं चिरी का ऑपरेशन
- अस्पताल से 24 घण्टे में छुट्टी अदुताउध और कोवोस्कोपी (दूरबीन द्वारा बच्चेदानी की जांच) की सुविधा उपलब्ध है।

कार्ड नं. 23 के सभी क्षेत्रवास्तव्यों को इमेजेंट-युग्म की किसी युग्मस्तव्य

जिला संचायत वार्ड नं. 23
सदस्य पद रिक्त

इम्मेडिएट-ए-मिनिमल पैमिअल
के भावी रत्नवासी




डा. नफीस खॉ मो. नदीम खॉ
जम्हूरी अध्यक्ष जम्हूरी जम्हूरी.सी. पार्टी प्रत्यक्ष L.M.C. रिक्त जम्हूरी L.M.C.

मेहनत तकीर त्ना खॉ
जम्हूरी अध्यक्ष जम्हूरी जम्हूरी.सी.



खुशवंत सिंह

हाससुर पत्नी जाकिर भाई
को अपना कीमती बोट डेकर विजयी बनायें
नि. ग्राम दभौरा खजन्पुर चौपरा, भोजीपुरा (बरेली)
खुमान ठेकेदार मो. 9720783113 मो. 9719446702



www.drbatras.com

बालों का झड़ना

ईन्ड्रफ

बालों का पतला होना
पैच में बालों का झड़ना

94% रोगी
संतुष्टि
- सर्वेक्षण पर आधारित (सर्वेक्षण)

प्रॉब्लम्स कइ, भरोसा वही!

हम इनका भी उपचार करते हैं : सांस की बीमारियां, डायबिटीज, एग्लिमा, जोड़ों का दर्द, मोटापा, सोरायसिस, यौन समस्याएं, थाइरॉयड तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं

Special Offer

25% Discount
on Spot
Registration

*Conditions apply

Dr. Batra's

HEALTHCARE

Healing people. Changing lives.

0581-6541777
0581-2420666

अपना अपॉइन्टमेंट डॉ. बत्राजी मोबाइल एप
के जरिए आसानीसे बुक कराएं.

बरेली: 146 सिविल लाइन्स, गुप्ता टॉवर, आई.
डी. बी.आई. बैंक के पास, सफिट हाउस चौराहा,